# मेकल मीमांसा

**ISSN 0974-0118**

**अंतरअनुशासनात्मक डबल ब्लाइंड पीयर रिव्यूड, यूजीसी केयर सूचीबद्ध अर्धवार्षिक शोध पत्रिका**
**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, अनूपपुर, मध्य प्रदेश**


---

## शोध पत्र प्रकाशन हेतु आमंत्रण

मेकल मीमांसा के जनवरी-जून 2024 अंक में प्रकाशन हेतु मौलिक, वस्तुनिष्ठ, एवं शोधपत्र आमंत्रित हैं | मौलिकता प्रमाणपत्र एवं अन्यत्र प्रकाशन हेतु नहीं भेजे जाने सम्बंधी घोषणा के साथ दिनांक **20/06/2024** तक शोध पत्र mekalmimansa@igntu.ac.in पर ई-मेल किए जा सकते हैं |

**लेखकों हेतु सामान्य निर्देश-**

1. अपना शोधपत्र यूनिकोड फॉण्ट में कोकिला 16 फॉण्ट साइज़ में टंकित कर दिए हुए मेल पते पर ई-मेल करें |
2. शोध पत्रों में सन्दर्भों का उपयोग स्पष्टता से और मानक के अनुरूप करें तथा सन्दर्भ हेतु ए.पी.ए. (छठवां संस्करण) शैली का अनुपालन करें | यह अनुपालन सामग्री के मध्य एवं एंड नोट आदि सभी प्रयोगों में अनिवार्य है | कृपया इसपर विशेष ध्यान दें अन्यथा आपका शोधपत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा |
3. शोधपत्र के आरंभ में अधिकतम 250 शब्दों का शोध-सारांश, पांच बीज शब्द और अंत में निष्कर्ष अवश्य लिखें |
4. प्रकाशित होने के बाद शोधपत्र पर मेकल मीमांसा का सर्वाधिकार होगा और पुनः प्रकाशन हेतु मुख्य संपादक की अनुमति अनिवार्य होगी |
5. मेकल मीमांसा लेखकीय स्वतंत्रता के सिद्धांत का अनुपालन करती है, फिर भी वाद-विवाद की स्थिति में अथवा आपत्तिजनक सामग्री, अपुष्ट सामग्री के सन्दर्भ में मुख्य संपादक का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा |
6. मेकल मीमांसा साहित्यिक चोरी की निंदा करता है एवं लेखकों से उच्चतम लेखकीय आदर्शों के अनुपालन की अपेक्षा रखता है |
7. विस्तृत लेखकीय निर्देश हेतु पत्रिका की वेबसाइट का अवलोकन करें |
8. शोधपत्र में प्रयुक्त तालिका में तालिका शीर्षक, तालिका क्रम संख्या अवश्य दें | चित्र, तालिका, ग्राफ, कथन इत्यादि हेतु अनुमन्य शैली में सन्दर्भ अवश्य दें |
9. इस बात का विशेष ध्यान रखा जाय कि अनुवाद सॉफ्टवेयर के उपयोग से भाषा और वाक्य-विन्यास से जुड़ी गलतियाँ बड़ी मात्रा में दृष्टिगोचर होती हैं | ऐसा करने से बचें |

**विशेष अनुरोध-** प्रेषित शोधपत्र के मूल्यांकन की सुस्थापित प्रक्रिया का अनुपालन किया जाता है | यह समयसाध्य है | इसके अतिरिक्त हमारी प्रतीक्षा सूची भी काफी लम्बी है | हम चयनित एवं अस्वीकृत लेखों के सन्दर्भ में लेखक को समयानुसार सूचित करते हैं | इस विषय में फ़ोन अथवा ईमेल करना आवश्यक नहीं है | ***शोध पत्र प्राप्त होने के उपरांत मूल्यांकन प्रक्रिया आरंभ हो जाती है एवं पहले प्राप्त लेख पहले मूल्यांकित होते हैं | लेखों की संख्या अधिक होने पर पहले प्राप्त लेखों को वरीयता दी जाती है |***


**प्रोफेसर राघवेन्द्र मिश्रा**

मुख्य संपादक

**ईमेल- mekalmimansa@igntu.ac.in**